ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 14 अक्टूबर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 175

ITR रिफंड अटका? जानें आपका रिफंड क्यों नहीं आ रहा, ये गलतियां फंसा देती हैं पैसा! 1 मिनट में चेक करें स्टेटस



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः

क्या आपने इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल कर दिया है, लेकिन अब तक रिफंड नहीं आया? अगर हां, तो टेंशन लेने की जरूरत नहीं है. कई बार आयकर विभाग रिफंड (Income Tax Refund) तो जारी करता है, लेकिन छोटी-छोटी गलतियों की वजह से वह आपके बैंक अकाउंट तक नहीं पहुंच पाता. टैक्स विभाग हर साल लोगों को यह सलाह देता है कि अगर रिफंड 4-5 हफ्तों के भीतर नहीं मिला है, तो सबसे पहले अपनी ITR फाइलिंग और बैंक डिटेल्स को चेक करें.

ITR रिफंड दरअसल वही रकम होती है जो आपने साल के दौरान टैक्स के रूप में ज्यादा जमा कर दी होती है जैसे कि TDS, एडवांस टैक्स या सेल्फ-असेसमेंट टैक्स. जब आयकर विभाग जांच करता है और पाता है कि आपने जितना टैक्स दिया है वह जरूरत से ज्यादा है, तो वही रकम आपके खाते में रिफंड के रूप में वापस आती है. लेकिन अगर रिफंड देर से आ रहा है या अभी तक नहीं आया, तो इसके पीछे कुछ आम वजहें हो सकती हैं.

ITR रिफंड में देरी की आम वजहें (Common Reasons for Delay)

सबसे पहले जानिए कि आखिर क्यों रिफंड अटक जाता है...

सबसे कॉमन कारण होता है ई-वेरिफिकेशन न करना. ITR फाइल करने के बाद अगर आपने उसे ई-वेरिफाई नहीं किया, तो आपकी रिटर्न प्रोसेसिंग शुरू ही नहीं होगी. बिना वेरिफिकेशन के ITR अधूरा माना जाता है.दूसरी बड़ी गलती है गलत बैंक डिटेल्स देना. अगर आपका बैंक अकाउंट प्री-वैलिडेट नहीं है, IFSC कोड गलत है या बैंक अकाउंट बंद हो गया है, तो रिफंड आपके खाते में नहीं पहुंच पाएगा.तीसरी वजह होती है PAN और Aadhaar लिंक न होना. अगर दोनों लिंक नहीं हैं, तो आपका PAN "inoperative" हो सकता है और रिफंड फेल हो जाता है.कई बार Form 26AS, AIS या ITR डेटा में मिसमैच होने से भी रिफंड लेट हो जाता है. अगर आपके द्वारा दी गई इनकम डिटेल्स और TDS डेटा में फर्क है, तो विभाग पहले उसकी जांच करता है.कुछ मामलों में रिफंड एडजस्टमेंट (Section 245) भी होता है यानी अगर आपका कोई पुराना टैक्स बकाया है, तो विभाग उसी में रिफंड की रकम को एडजस्ट कर देता है.अगर आपकी रिफंड राशि बड़ी है, तो विभाग एक्स्ट्रा वेरिफिकेशन करता है, जिससे प्रोसेसिंग में समय लग सकता है.अंत में, टेक्निकल या प्रशासनिक देरी भी रिफंड में रुकावट का कारण बनती है जैसे कि CPC या बैंक सर्वर में दिक्कत.

कैसे चेक करें अपना स्टेटस

(How to Track ITR Refund Status Online)

अगर आप जानना चाहते हैं कि आपका रिफंड कहां अटका है, तो यह काम आप मिनटों में खुद कर सकते हैं.

Income Tax e-Filing Portal से रिफंड स्टेटस चेक करें

incometax.gov.in पर जाएं.

PAN और पासवर्ड डालकर लॉगिन करें.

e-File » Income Tax Returns » View Filed Returns पर क्लिक करें.

जिस Assessment Year (AY) में आपने रिफंड क्लेम किया है, उसे चुनें.

अब "View Details" या "View Refund Status" पर क्लिक करें. यहां आपको यह भी दिखेगा कि रिफंड किस स्टेज तक पहुंचा है.

अगर रिफंड फेल हो गया है, तो पोर्टल पर "Refund Reissue" का ऑप्शन आएगा उसपर क्लिक करके दोबारा रिफंड जारी करा सकते हैं.

NSDL / TIN Portal से रिफंड स्टेटस चेक करें

अगर आपका रिफंड विभाग से बैंक को भेज दिया गया है, तो आप NSDL वेबसाइट पर जाकर PAN और Assessment Year डालकर स्टेटस चेक कर सकते हैं.

कब तक मिलता है ITR रिफंड? (Expected ITR Refund Timeline)

आमतौर पर 4 से 5 हफ्ते में रिफंड आपके बैंक अकाउंट में आ जाता है. कई बार अगर केस सिंपल हो, तो 7 से 21 वर्किंग डेज में भी रिफंड मिल जाता है. अगर देरी होती है, तो विभाग टैक्सपेयर्स को 0.5% प्रति माह के हिसाब से ब्याज भी देता है.

अगर रिफंड नहीं मिला तो क्या करें? (What To Do If Refund Not Received)

अगर तय समय के बाद भी पैसा नहीं आया, तो आप कुछ आसान कदम उठा सकते हैं ...

e-Filing पोर्टल पर "e-Nivaran/Grievance" सेक्शन में शिकायत दर्ज करें.

अगर बैंक डिटेल्स गलत थीं, तो बैंक अकाउंट वैलिडेट करके "Refund Reissue Request" लगाएं.

जरूरत पड़ने पर Assessing Officer (AO) या CPC (Central Processing Centre) से संपर्क करें.

पोर्टल या ईमेल पर आने वाले Intimation Notices यानी इनकम टैक्स नोटिस को जरूर चेक करते रहें.

ITR रिफंड में देरी आम बात है, लेकिन इसकी ज्यादातर वजहें आपकी ही दी गई छोटी-छोटी गलतियां होती हैं जैसे गलत बैंक डिटेल्स, PAN-Aadhaar लिंकिंग न होना या ई-वेरिफिकेशन भूल जाना. इसलिए अगली बार जब आप ITR फाइल करें, तो इन बातों का खास ध्यान रखें. अगर आपका रिफंड अभी तक नहीं आया है, तो ऊपर बताए गए तरीकों से स्टेटस ट्रैक करें शायद आपका अटका हुआ रिफंड का पैसा बस एक क्लिक में खाते में आ जाए.

भारत में 1.33 लाख करोड़ निवेश करेगी गूगलःपहला AI हब आंध्र प्रदेश में बनाएगी; CEO पिचाई ने PM मोदी से बात की



24 न्यूज अपडेट

गूगल के CEO सुंदर पिचाई ने मंगलवार (14 अक्टूबर) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। इस बातचीत के दौरान पिचाई ने PM मोदी को बताया कि उनकी कंपनी अगले पांच साल में भारत में 15 बिलियन डॉलर यानी लगभग 1.33 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी।

इस बात की जानकारी पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर कर दी। पिचाई ने PM मोदी से बातचीत में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में गूगल के पहले AI हब का प्लान भी शेयर किया। गूगल ने विशाखापट्टनम में एक बड़ा डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) बेस शुरू करने का ऐलान किया है, जो अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा AI हब होगा।

AI इनोवेशन को बढ़ावा देंगे और देशभर में विकास को गति देंगे

पिचाई ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह हब गीगावाट-स्केल की कंप्यूटिंग कैपेसिटी, एक नए इंटरनेशनल सबमरीन केबल गेटवे और लार्ज स्केल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़ेगा। उन्होंने कहा, 'इसके जरिए हम भारत में एंटरप्राइजेज और यूजर्स के लिए अपनी एडवांस टेक्नोलॉजी लाएंगे, AI इनोवेशन को बढ़ावा देंगे और देशभर में विकास को गति देंगे।'

AI डेटा सेंटर कैंपस के लिए अडाणी ग्रुप से पार्टनरशिप की

गूगल ने इस AI डेटा सेंटर कैंपस के लिए अडाणी ग्रुप के साथ पार्टनरशिप की है। यह गूगल का भारत में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। कंपनी का कहना है कि यह पहल भारत सरकार के 'विकसित भारत 2047' विजन को सपोर्ट करेगी, जो AI-पावर्ड सर्विसेज को बढ़ाने का टारगेट रखता है।

देश में बच्चों के जन्म की संख्या घटीः2023 में 2.5 करोड़ पैदा हुए, यह 2022 से 2.32 लाख कम; लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़ा



24 न्यूज अपडेट

सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (CRS) पर आधारित 'वाइटल स्टैटिस्टिक्स ऑफ इंडिया' की 13 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, 'भारत में साल 2022 की तुलना में 2023 में जन्म में कमी आई, लेकिन मौत का आंकड़ा बढ़ा।'

रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2023 में 2 करोड़ 52 लाख बच्चों का जन्म हुआ था, जो साल 2022 की तुलना में 2 लाख 32 हजार कम था। क्योंकि उस साल का आंकड़ा 2 करोड़ 54 लाख 32 हजार था।

वहीं, 2023 में 86.6 लाख लोगों की मौत रिकॉर्ड की गई थीं। 2022 में ये आंकड़ा 86.5 लाख रहा था। हेल्थ मिनिस्ट्री के कोविड-19 डेशबोर्ड के मुताबिक 5 मई 2025 तक देश में कोविड के कारण 5 लाख 33 हजार 665 मौतें हो चुकी हैं।

सबसे ज्यादा मौतें 2021 में हुई थीं तब कोविड की सेकेंड वेव चल रही थी। तब 2020 की तुलना में 21 लाख ज्यादा मौतें हुई थीं। 2020 में कुल 81.2 लाख मौतें और 2021 में यह आंकड़ा 1 करोड़ 2 लाख 2 हजार से ज्यादा था।

ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 80-90% रहा है। वहीं, 14 राज्यों में असम, दिल्ली, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मेघालय और उत्तर प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 50-80% के बीच रहा है।

11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों ने निर्धारित 21 दिनों के भीतर 90% से अधिक बर्थ रजिस्ट्रेशन हासिल किया। इन राज्यों में गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन एंड दीव, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पंजाब शामिल हैं।

साल 2023 में कुल दर्ज जन्मों में संस्थागत जन्मों (अस्पताल में हुए जन्म) का हिस्सा 74.7% रहा। हालांकि, रिपोर्ट में सिक्किम का डेटा शामिल नहीं किया गया है। पूरे देश में जन्मों का कुल रजिस्ट्रेशन 98.4% रहा।

उदयपुर सर्राफा बाजारः सोना-चांदी के भाव में तेजी, निवेशकों की नजर स्थिर रुझानों पर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. उदयपुर सर्राफा एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, पिछले सप्ताह से सोना और चांदी दोनों ही की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक बाजार में डॉलर की स्थिति, तेल के दाम और जीएसटी सहित स्थानीय मांग-आपूर्ति के कारण यह रुझान बना हुआ है। सोने का भावः स्टैंडर्ड सोना (999) का भाव 124,200 रुपए प्रति दस ग्राम (07 अक्टूबर) से बढ़कर 130,000 रुपए (14 अक्टूबर) प्रति दस ग्राम तक पहुंच गया। जेवराती सोना (23 कैरेट) की कीमत 119,230 रुपए से बढ़कर 124,800 रुपए, जबकि 22 कैरेट सोना 114,265 रुपए से बढ़कर 119,600 रुपए तक रहा। कुल मिलाकर, 7 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच सोने में लगभग 5-6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। चांदी का भावः टंच चांदी का भाव 153,000 रुपए प्रति किलोग्राम (07 अक्टूबर) से बढ़कर 176,700 रुपए (14 अक्टूबर) तक पहुंचा। चौरसा चांदी की कीमत भी 151,800 रुपए से बढ़कर 175,200 रुपए प्रति किलोग्राम हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में यह तेजी मांग और अंतरराष्ट्रीय चांदी भाव में सुधार का परिणाम है। विशेषज्ञों के अनुसार, सोने में स्थिर वृद्धि घरेलू निवेशकों और शादी-मांग में लगातार खरीदारी के कारण हुई है। वहीं, चांदी में तेजी मुख्य रूप से औद्योगिक मांग और वैश्विक स्तर पर धातु की कमी के कारण है। इसके अलावा, डॉलर की कमजोरी और वैश्विक मुद्रास्फीति से भी स्थानीय बाजार में सोना और चांदी के भाव प्रभावित हो रहे हैं। यदि आप निवेशक हैं तो विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि वर्तमान रुझान सकारात्मक है, लेकिन भावों में हल्की उतार-चढ़ाव की संभावना बनी रहती है। विशेष रूप से त्योहारों और शादी के सीजन को देखते हुए सोने की मांग उच्च बनी हुई है।

गड्ढों-मैनहोल से मौत पर अब 6 लाख मुआवजा मिलेगाःघायलों को 2.50 लाख तक मिलेंगे, बॉम्बे HC बोला- मुआवजे में देरी हुई तो अफसर-ठेकेदार जिम्मेदार होंगे



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान बॉम्बे हाईकोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र में गड्ढों और खुले मैनहोल की वजह से होने वाली मौतों के मामलों में अब पीड़ित परिवारों को 6 लाख का मुआवजा दिया जाएगा।

जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और संदीश डी. पाटिल की बेंच ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को इन हादसों में चोट लगती है, तो उसे 50 हजार रुपए से 2.50 लाख रुपए तक का मुआवजा मिलेगा। ऐसे हादसों के लिए ठेकेदारों के साथ-साथ नगरपालिका और सरकारी अधिकारी भी जिम्मेदार होंगे।

कोर्ट ने आदेश दिया कि सभी योग्य पीड़ितों को 6 से 8 हफ्तों के भीतर मुआवजा दिया जाए। अगर देरी होती है तो संबंधित अधिकारी जैसे कमिश्नर, जिला कलेक्टर, सीईओ आदि व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे और उन्हें ब्याज सहित पैसा देना होगा। ये रकम जिम्मेदार अधिकारी, इंजीनियर या ठेकेदार से वसूली जाएगी।

दरअसल, 2013 में तब के बॉम्बे हाईकोर्ट के जज जीएस पटेल (रिटायर्ड) ने मुख्य न्यायाधीश को लेटर लिखकर मांग की थी कि मुंबई जैसे शहर में खराब सड़कों की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने इसी लेटर के आधार पर केस दर्ज किया था।

सरकारी अधिकारियों पर जवाबदेही तय होगी

हाईकोर्ट ने कहा कि अब समय आ गया है कि गड्ढों और खुले मैनहोल से होने वाली मौतों और चोटों के लिए जिम्मेदार लोगों को सीधे जवाबदेह ठहराया जाए। जब तक अधिकारियों और ठेकेदारों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक वे इस गंभीर मुद्दे को समझ नहीं पाएंगे।

बेंच ने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है और नगर निगम (BMC/MCGM) एशिया की सबसे अमीर संस्थाओं में से एक है। फिर भी सड़कों की हालत खराब है। यह किसी भी तरह से सही नहीं है।

अच्छी और सुरक्षित सड़कें नागरिकों का मौलिक अधिकार हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) के तहत आती हैं। खराब सड़कें न सिर्फ जानलेवा हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर डालती हैं।

निगरानी समितियां बनेंगी

हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि हर नगर क्षेत्र में विशेष समितियां बनाई जाएंगी। ये समितियां गड्ढों या मैनहोल से जुड़ी मौतों और हादसों की जांच करेंगी। पीड़ितों को मिलने वाले मुआवजे की राशि तय करेंगी।

घटना की जानकारी मिलते ही 7 दिन में बैठक, हर 15 दिन में प्रगति रिपोर्ट, खासकर बारिश में जरूरी।

समितियां खुद से या खबरों, पुलिस रिपोर्ट और शिकायतों के आधार पर कार्रवाई कर सकती हैं। पुलिस गड्ढा या मैनहोल हादसे की रिपोर्ट 48 घंटे में समिति को भेजें।

खराब सड़कों को 48 घंटे में ठीक करें

हाईकोर्ट ने कहा कि अगर किसी इलाके में गड्ढे या खुले मैनहोल की जानकारी मिलती है, तो उसे 48 घंटे के भीतर ठीक किया जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो यह घोर लापरवाही मानी जाएगी और संबंधित अधिकारी या ठेकेदार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय : जवाबदेही के बजाय

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्र से सामूहिक बलात्कार के बाद राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जहां इस अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई से लेकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस उपाय करने पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए था, वहां वे अपना पल्ला झाड़ने के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करती दिखती हैं। गौरतलब है कि दुर्गापुर में कालेज के प्रवेश द्वार के पास से अगवा करके कुछ लोगों ने छात्रा से सामूहिक बलात्कार किया। यह घटना पुलिस और कानून-व्यवस्था की लाचारगी का ही सबूत है कि आपराधिक तत्त्वों एक तरह से बेखौफ होकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। अफसोसनाक यह है कि कानून-व्यवस्था की इस स्तर की नाकामी के बाद राज्य की मुख्यमंत्री को जहां पहले जिम्मेदारी लेने और राज्य के पुलिस तंत्र को सवालों के कठघरे में खड़ा करना चाहिए था, वहां उन्होंने कहा कि छात्राओं को देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए। सवाल है कि एक जघन्य अपराध के बाद ममता बनर्जी राज्य में कानून-व्यवस्था की हकीकत को स्वीकार करने के बजाय पीड़ित को ही जिम्मेदार बता कर क्या हासिल करना चाहती हैं। क्या एक राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद वे यह स्वीकार कर रही हैं कि उनके शासन में रात के समय बलात्कार और अन्य जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले लोगों पर पुलिस या कानून की कोई लगाम नहीं होती? दरअसल, महिलाओं को देर रात घर से निकलने पर अपराधियों से खतरा होने को लेकर ममता बनर्जी का बयान न केवल लापरवाही से भरा है, बल्कि अपराधियों के दुस्साहस को और मजबूत करता है। पिछले कुछ समय में पश्चिम बंगाल में बलात्कार की लगातार कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे राज्य सरकार पर सवाल उठे हैं। मगर जिम्मेदारी लेने के बजाय सरकार आक्रामक होकर अपना बचाव करने की कोशिश करती है। इस क्रम में पीड़ित पर ही सवाल उठाने की प्रवृत्ति बेहद गैरजिम्मेदाराना है। किसी दुखद घटना का सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटनाओं को रोकने के लिए हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के सवाल से सरकार खुद ही पल्ला झाड़ने में लगी है। इतनी संवेदनशीलता किसी भी इंसान के भीतर होनी चाहिए कि वह बलात्कार और उसके बाद पीड़ित की मनःस्थिति की गंभीरता को समझे। ऐसे मामलों में व्यक्ति के भीतर मानवीयता के मूल्यों की समझ का भी अंदाजा लगता है। मगर न केवल एक महिला, बल्कि राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता बनर्जी ने सामूहिक बलात्कार की पीड़ित की मनोदशा और पीड़ा को समझना जरूरी नहीं समझा। बयान का विरोध होने पर वे भले ही सफाई में अपनी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया बताएं, लेकिन हकीकत यही है कि उन्होंने राज्य की मुख्यमंत्री पद पर होने और अपनी कोई जवाबदेही का एहसास करने के बजाय कानून-व्यवस्था को लागू करने में नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश की। राजनीति में अपने विपक्षियों का सामना या उनसे टकराव एक राजनीतिक तकाजा हो सकता है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों के मामले में अगर इस तरह की लापरवाही से भरी प्रतिक्रिया दी जाती है, तो यह मुख्यमंत्री के रूप में उनकी शासकीय गंभीरता और क्षमता को भी कठघरे में खड़ा करता है।

संघर्ष के मोर्चे

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर हाल में हुई हिंसक झड़पों से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। वैसे दोनों ओर संघर्ष के मोर्चे इस तरह खुलने की यह पहली घटना नहीं है। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान का शासन कायम होने के बाद भी यह सिलसिला जारी है। गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान पहले जिस तालिबान का हितैषी कहलाता था, आज वह उनके खिलाफ ही खड़ा हो गया है। इसका कारण यह है कि पाकिस्तान अपने इलाके में हो रहे आतंकी हमलों के लिए तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) को जिम्मेदार मानता है और यह आरोप लगाता रहा है कि उसे अफगानिस्तान की मौजूदा तालिबान सरकार का संरक्षण प्राप्त है। दोनों देशों के सुरक्षाबलों के बीच संघर्ष की यह घटना ऐसे समय में हुई, जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत दौरे पर आए। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या पाकिस्तान को अफगानिस्तान का भारत के साथ मेलजोल बढ़ाना रास नहीं आ रहा है ? दरअसल, पाकिस्तान के गठन के बाद से ही अफगानिस्तान के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं रहे हैं। वर्ष 1949 में आजाद पश्तूनिस्तान बनाने के मुद्दे पर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की आदिवासी बस्तियों पर हमले किए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा पर हिंसक झड़पों का सिलसिला शुरू हो गया । पाकिस्तान का दावा है कि जब से अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता आई है, टीटीपी ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। उधर, अफगानिस्तान का आरोप है कि पाकिस्तान के सुरक्षाबल बिना कारण उसके सीमा क्षेत्र में हवाई हमले कर रहे हैं। दोनों देशों के आपसी विवाद की एक वजह सीमा पर 1893 में ब्रिटिश हुकूमत के दौरान खींची गई 'डूरंड रेखा' भी है, जिसे पाकिस्तान मान्यता देता है, लेकिन अफगानिस्तान इसे अस्वीकार करता रहा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान जिस तरह से भारतीय सीमा पर आतंकियों की घुसपैठ कराता है, उसी तरह के आरोप अय वह अफगानिस्तान पर लगा रहा है। बहरहाल, आने वाले दिनों में दोनों देशों के बीच तनाव कम होगा या संघर्ष तेज होगा, यह देखने वाली बात होगी।

मार्बल व्यवसायी ने ब्याजखोरों से परेशान होकर की आत्महत्या, सुसाइड नोट में लिखे कई नाम



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर क्षेत्र में मार्बल व्यवसायी रवि कुमार भट्ट ने अपने ऑफिस में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह पिछले लंबे समय से कुछ सूदखोरों और ब्याज माफियाओं द्वारा मानसिक और आर्थिक दबाव में था। मृतक के पास से मिले तीन पृष्ठों के सुसाइड नोट में उसने आरोपियों के नाम लिखे हैं और बताया कि वह उनसे हर महीने 8 से 18 प्रतिशत तक ब्याज चुका रहा था। लाखों रुपए चुकाने के बावजूद उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। सूचना मिलने पर रवि कुमार के परिजन सुबह मौके पर पहुंचे और उसे लटका हुआ पाया। मृतक के समाजजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी तक शव उठाने से इनकार कर दिया। सुसाइड नोट में उल्लेखित आरोपियों के नाम अमरजीत सिंह कंडा अमन कंडा सनत सिकलीगर टीटू सरदार (बांसवाड़ा) सहित अन्य व्यक्तियों से रवि कुमार ने व्यवसाय के लिए लाखों रुपए उधार लिए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और शव को मोर्चरी में रखा गया है। परिवार और समाजजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

भीलवाड़ा में शहरी सेवा शिविर हंगामा: महापौर ने पटवारी को धक्का दिया, कुर्सी भी गिराई, बीच-बचाव के बाद मामला शांत



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा, 14 अक्टूबर। भीलवाड़ा नगर निगम परिसर में सोमवार शाम आयोजित शहरी सेवा शिविर के दौरान महापौर राकेश पाठक और यूआईटी के पटवारी मानवेंद्र सिंह के बीच जमकर कहासुनी और हंगामा हुआ। विवाद तब शुरू हुआ जब वार्ड 47 के निवासी मुकेश गांछा और अन्य फरियादी अपने भूखंड के पट्टा और नक्शे से जुड़े दस्तावेजों के लिए पटवारी के पास आए। पटवारी ने कहा कि रिकॉर्ड तहसील से लाना पड़ेगा। महापौर पाठक इस सूचना पर तत्काल यूआईटी बाबू नरेश खोईवाल से जानकारी लेने पहुंचे। फाइल मिलने पर जब महापौर पटवारी के पास गए, तो दोनों के बीच तेज आवाज में बहस शुरू हो गई। गुस्साए महापौर ने पहले टेबल पर हाथ मारा, पास की कुर्सी गिरा दी, और बाद में पटवारी को धक्का भी दे दिया। मौके पर हंगामा बढ़ता देख यूआईटी ओएसडी चिमन लाल और तहसीलदार नीरज रावत ने बीच-बचाव कर विवाद को शांत किया। हालांकि, घटना के बाद पटवारी मानवेंद्र ने मीडिया से कुछ भी कहने से इनकार किया, और महापौर पाठक ने फोन रिसीव नहीं किया।

घटना के दौरान शिविर में उपस्थित नागरिकों और फरियादियों ने कहा कि वार्डों में कई बार पट्टा और भूखंड संबंधी फाइलें उपलब्ध कराने में विलंब होता है, जिससे अक्सर विवाद पैदा हो जाता है। इस घटना ने शहरी सेवा शिविर के संचालन की सुरक्षा और प्रशासनिक नियंत्रण पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। शिविर में पहुंची बड़ी संख्या में नागरिकों ने महापौर और पटवारी के बीच कहासुनी की पूरी घटना को देखा। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में इस प्रकार के सामना-सामना विवाद रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं और निर्देश जारी किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता: ग्राम पंचायत घोड़ी की सरपंच सहित 7 कार्मिक निलंबित

सभी दोषियों के खिलाफ होगी 16 सीसीए की कार्यवाही

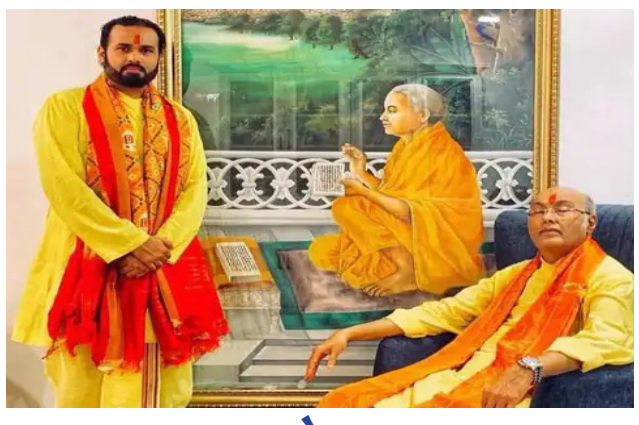


24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अक्टूबर। प्रधानमंत्री आवास योजना में गंभीर अनियमितताओं के मामले में राजस्थान सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। उदयपुर जिले की पंचायत समिति ऋषभदेव के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत घोड़ी की वर्तमान सरपंच (प्रशासक) श्रीमती जसोदा मीणा सहित 7 कार्मिकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने बताया कि जांच में प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि के हस्तांतरण में गंभीर अनियमितताएं और दिशा-निर्देशों की अवहेलना पाई गई। इस आधार पर सरपंच जसोदा मीणा के साथ ग्राम विकास अधिकारी अजीत डामोर, रोजगार सहायक रमेश चंद्र डामोर, कनिष्ठ सहायक सुरेंद्र कुमार मीणा, सहायक विकास अधिकारी कैलाश जया, तथा तत्कालीन विकास अधिकारी मूलाराम सोलंकी को निलंबित किया गया है। सभी के खिलाफ 16 सीसीए के तहत विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रकरण की जांच अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद राजसमंद की अध्यक्षता में गठित दल ने की थी। जांच रिपोर्ट में यह पुष्टि हुई कि पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन और मनरेगा योजनाओं में करोड़ों रुपए के घोटाले व फर्जीवाड़े के प्रमाण मिले हैं। रिपोर्ट के आधार पर विभाग ने दोषियों के विरुद्ध निलंबन की यह कड़ी कार्रवाई की है।

नाथद्वारा श्रीनाथजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन



24 न्यूज अपडेट

नाथद्वारा। पुष्टिमार्ग की प्रधान पीठ श्रीनाथजी मंदिर में मंगलवार को कार्तिक शुक्ल अष्टमी के अवसर पर अन्नकूट महोत्सव की भट्टी पूजा संपन्न हुई। इस अवसर पर तिलकायत राकेश महाराज एवं तिलकायत पुत्र विशाल बावा के निर्देशन में अन्नकूट सामग्री तैयार करने का कार्य आरंभ हुआ। मंदिर की रसोई में भट्टी पूजन की रस्म श्रीजी प्रभु के मुखिया इंद्रवदन गिरनारा, लाडले लाल प्रभु के मुखिया रजनीकांत सांचीहर, घनश्याम सांचीहर और रसोई प्रमुख प्रवीण सांचीहर ने किया। अन्नकूट महोत्सव पुष्टिमार्ग का प्रमुख पर्व है, जिसमें प्रभु को सौ से अधिक विविध सामग्रियों का भोग लगाया जाता है। इन सामग्रियों में दाल, कंद, शाक, फीका, भात, सेव, थूली और कचरिया शामिल हैं। विशेष रूप से महाप्रसाद के रूप में करीब 50 क्विंटल चोखा (चावल) अर्पित किया जाता है। इस भव्य सेवा में देशभर से लगभग 150 सेवक अपनी सेवा में शामिल होते हैं। अन्नकूट महोत्सव दीपावली के अगले दिन बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। रात के करीब 12 बजे मंदिर के पट खुलते हैं और अन्नकूट भोग को भील आदिवासी समाज के श्रद्धालु परंपरानुसार ग्रहण करते हैं। यह आयोजन भक्तों के लिए अत्यंत महत्व का है और श्रीनाथजी की कृपा एवं सेवा भाव को प्रकट करता है। मंदिर प्रशासन और सेवकों ने मिलकर यह सुनिश्चित किया कि अन्नकूट महोत्सव पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सम्पन्न हो, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद और सामूहिक उत्सव का अनुभव प्राप्त हुआ।

विधायक उदय लाल डांगी ने वार्ड की सड़क निर्माण का दिया आश्वासन



24 न्यूज अपडेट

कानोड. नगर पालिका क्षेत्र के कानोड में भाजपा कार्यकर्ता के शोक संतप्त परिवार में विधायक उदय लाल डांगी ने संवेदना व्यक्त की। ब्रह्मपुरी स्थित इस परिवार से मिलने आए विधायक डांगी ने न केवल शोक व्यक्त किया बल्कि अपने कार्यकर्ता के प्रति सहज और आत्मीय व्यवहार दिखाया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष दीपक शर्मा भी उपस्थित थे। वार्ड में वार्ता के दौरान शर्मा ने विधायक को बताया कि कांग्रेस राज के दौरान उपेक्षित नीतियों के कारण वार्ड की सड़क निर्माण नहीं हो पाई, जिससे सड़क का स्तर नीचे रह गया है और बारिश के दौरान पानी मोहल्लों में भर जाता है, जिससे लोग परेशान हैं। विधायक डांगी ने तुरंत शर्मा के साथ वार्ड का निरीक्षण किया और सड़क निर्माण का आश्वासन दिया। यह कार्रवाई स्थानीय निवासियों और कार्यकर्ताओं के बीच स्वागत योग्य मानी गई।

पूर्व प्रयास और वर्तमान निर्णय

दीपक शर्मा ने पहले ही कलेक्टर, एसडीएम और विधायक को ज्ञापन देकर सड़क निर्माण की मांग रखी थी। आज विधायक डांगी ने स्वयं स्थल निरीक्षण कर समस्या को समझा और तत्काल समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष हेरेन्द्र सिंह राव, हितेष सुथार, रणजित सिंह, हिम्मत सिंह, भक्त प्रहार और बाबू लाल सहित अन्य भाजपाई भी उपस्थित रहे।

नारायणलाल सलाया अध्यक्ष निर्वाचित, सालवी (बुनकर) समाज, साठ खेड़ा, खेरोदा चौकी उदयपुर की केन्द्रीय कार्यकारिणी में शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव सम्पन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अक्टूबर 2025। सालवी (बुनकर) समाज, साठ खेड़ा, खेरोदा चौकी उदयपुर की महापंचायत के निर्णयानुसार केन्द्रिय कार्यकारिणी के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पदों के लिए आम चुनाव 12 अक्टूबर 2025, रविवार को श्रीनाथ समिति भवन, ग्लास फैक्ट्री उदयपुर में प्रातः 08:00 बजे से सांय 4:27 बजे तक शांतिपूर्ण और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुआ। मतदाता सूची के अनुसार कुल 2002 व्यस्क पुरुष मतदाता थे। विभिन्न चौखलों के मतदाता इस प्रकार रहेः खेरोदा चौखला – 419, मोड़ी चौखला – 548, मेड़ता चौखला – 520, कुराबड़ चौखला – 202, गिर्वा चौखला – 191, गवारड़ी चौखला – 122। मतदान के लिए कुल तीन बूथ बनाए गए। बूथ न. 1 – खेरोदा और कुराबड़, बूथ न. 2 – मोड़ी और गवारड़ी, बूथ न. 3 – मेड़ता और गिर्वा। मतदान दलों को अति. चुनाव अधिकारी श्री तेजपाल पिछोलिया और श्री गणेश डोडिया द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। अति. चुनाव अधिकारी श्री भेरूलाल डोली ने चुनाव प्रक्रिया में समस्त आय-व्यय का हिसाब रखा। प्रत्येक बूथ पर एक पिठासीन अधिकारी और चार मतदान अधिकारी नियुक्त किए गए। मतदान प्रातः 08:00 बजे प्रारंभ हुआ। विभिन्न समय पर मतदान प्रतिशत बढ़ता रहा – प्रातः 10:00 बजे तक 9%, दोपहर 12:00 बजे तक 25%, दोपहर 1:00 बजे 35%, दोपहर 2:00 बजे 46% और मतदान समाप्ति पर कुल 72.62% रहा। मतदान समाप्ति के बाद मतपेटियों को सील कर मुख्य चुनाव अधिकारी की सुरक्षा में रखा गया। मतगणना के लिए तीन डेस्क बनाए गए। सायं 5:45 बजे सभी उम्मीदवारों और गणक दलों की उपस्थिति में मतपेटियों को खोला गया और चार **राउंड की गणना के बाद परिणाम घोषित हुएः अध्यक्षः** श्री नारायण लाल सलाया – 615 मत (निर्वाचित), श्री डालचंद आम्बारोती – 385 मत, श्री वेणीराम खान्देला – 421 मत, 33 मत विधि सम्मत निरस्त। सचिवः श्री जगदीश चौहान – 574 मत (निर्वाचित), श्री रमेश पिचोलिया – 482 मत, श्री मदन मणौती – 353 मत, 44 मत विधि सम्मत निरस्त। कोषाध्यक्षः श्री हीरालाल डोडिया – 765 मत (निर्वाचित), श्री विष्णु लाल सोनार्थी – 427 मत, श्री ललित कुमार पिछोलिया – 205 मत, 56 मत विधि सम्मत निरस्त। मुख्य चुनाव अधिकारी ने निर्वाचित अध्यक्ष नारायण लाल सलाया, सचिव जगदीश चौहान और कोषाध्यक्ष हीरालाल डोडिया की घोषणा सभी समाज जनों के समक्ष की। तत्पश्चात, शपथ ग्रहण समारोह में तीनों पदाधिकारी को मुख्य चुनाव अधिकारी श्री शंकर लाल सोनार्थी ने पद की शपथ दिलाई। अति. चुनाव अधिकारी श्री तेजपाल पिछोलिया ने सभी मतदाताओं, मतदान दलों और गणक दलों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी और विधिसम्मत तरीके से सम्पन्न हुई।

सड़क पर मौत से जंग! उदयपुर में भीषण भिड़ंत के बाद 1 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अक्टूबर। उदयपुर के सवीना थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बलीचा रोड स्थित आरएसजी कॉम्प्लेक्स के सामने तेज रफ्तार ट्रेलर और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे ट्रक का केबिन बुरी तरह पिचक गया। हादसे में चालक का एक पैर करीब एक घंटे तक फंसा रहा। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से उसे बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घटना रात करीब साढ़े 11 बजे की है। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर सवीना थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और स्थिति संभाली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवे को वन-वे किया गया था, जिसके कारण आमने-सामने की भिड़ंत हुई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

भारत में वैश्विक पर्यटन संभावनाओं को तराशने की आवश्यकता – केंद्रीय मंत्री शेखावत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अक्टूबर। झीलों और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण उदयपुर में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय पर्यटन कॉन्फ्रेंस का मंगलवार को भव्य उद्घाटन केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्रसिंह शेखावत, पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और विभिन्न राज्यों के पर्यटन मंत्रियों की उपस्थिति में होटल मेरिएट में हुआ। कांफ्रेंस का उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वन स्टेट-वन ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन विजन के तहत राज्यों में वैश्विक पर्यटन स्थलों को विकसित करना है। पर्यटन मंत्रालय की सचिव सुश्री वी विद्यावती ने स्वागत भाषण में कहा कि भारत में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन अपेक्षित विकास के लिए कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करना आवश्यक है। सभी राज्यों को 50 नए ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान के चयन पर धन्यवाद व्यक्त किया और राज्य की ऐतिहासिक महलों, सांस्कृतिक विरासत और कला को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की योजना पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पर्यटन विकास में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है, भारत का लक्ष्य विश्व पर्यटन सूचकांक में टॉप टेन देशों में शामिल होना और जीडीपी में पर्यटन का योगदान 10 प्रतिशत तक बढ़ाना है। उन्होंने ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित कर विदेशी और देशी पर्यटकों की अपेक्षाओं को पूरा करने पर जोर दिया। पंजाब के राज्यपाल कटारिया ने मेवाड़ की ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर का महत्व बताया और सभी उपस्थितों से स्थानीय स्थलों का भ्रमण कर सुझाव देने का अनुरोध किया। राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने-अपने पर्यटन प्रस्ताव प्रस्तुत किए, जो देश के पर्यटन विकास की नई रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर एसी स्लीपर बस में आग, कई यात्री झुलसे



24 न्यूज अपडेट

जैसलमेर-जोधपुर। मंगलवार को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे थईयात गांव के पास एक एसी स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। बस में 57 यात्री सवार थे, जिनमें से 16 लोग बुरी तरह झुलस गए। हादसे में ज्यादातर यात्री 70 प्रतिशत तक झुलसे हुए बताए गए हैं। जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल से झुलसे यात्रियों को जोधपुर के एमडीएम हॉस्पिटल लाया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने 10-12 लोगों की जलने से मौत होने की संभावना जताई है। जोधपुर रेंज के आईजी और संभागीय आयुक्त के निर्देश पर हादसे स्थल से लेकर जोधपुर तक के हाईवे में ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है ताकि एंबुलेंसों का रास्ता बाधित न हो। हाईवे से जुड़े सभी थानों की टीमों को विशेष हिदायत दी गई है। बालेसर कस्बे में पुलिस अलर्ट मोड पर है और सड़क किनारे किसी वाहन को नहीं रुकने दिया जा रहा है।

जोधपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि मथुरादास माथुर हॉस्पिटल और महात्मा गांधी हॉस्पिटल में मेडिकल टीम को अलर्ट कर दिया गया है। दोनों हॉस्पिटल में अधीक्षक, सीनियर डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ पहले से तैयार हैं। मथुरादास हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने कहा कि ट्रॉमा वार्ड खाली करवा लिया गया है और सभी ट्रॉली गेट पर एकत्रित हैं ताकि मरीजों के आने पर तुरंत इलाज शुरू किया जा सके।

हादसे में आग लगने की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर फायर ब्रिगेड व पुलिस की टीमें तैनात हैं। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा और इलाज को प्राथमिकता देते हुए राहत कार्य तेज कर दिया है।

गैंगस्टर अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित अमेरिका में गिरफ्तार, भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.), राजस्थान की सूचना पर सी.बी.आई. की इन्टरपोल ब्रांच के माध्यम से अमेरिकी एजेंसियों की मदद से लॉरेन्स विश्नोई गैंग और रोहित गोदारा गैंग का सक्रिय सदस्य अमित शर्मा उर्फ जैक पण्डित को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया। वर्तमान में वह रोहित गोदारा गैंग से जुड़े हुए था। अमित शर्मा कई उपनामों से जाना जाता था, जिनमें जैक, सुल्तान, डॉक्टर, पण्डित जी और अर्पित शामिल हैं।

अपराध और भूमिकाएँ:

अमित शर्मा गैंग के लिए विदेशों में फाइनेंस का कार्य संभालता था। वह एक्सटेंशन मनी (फिरौती की राशि) को विदेशों में रिसीव कर विभिन्न माध्यमों से गैंग सदस्यों तक पहुँचाने का काम करता था। इसके अलावा, भारत से भागे गैंग सदस्य जिनके लिए शरण और पैसे की व्यवस्था की जाती थी, उनके लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करवाना और विदेश में शरण दिलाना भी उसकी जिम्मेदारी थी। अमित शर्मा ने रोहित गोदारा के भागने के समय विदेश में उनके नेटवर्क को स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, वह लॉरेन्स गैंग के लिए आपराधिक गतिविधियों, हथियारों की खरीद और ड्रग्स कारोबार में भी सक्रिय था।

गिरफ्तारी की प्रक्रिया:

अमित शर्मा, पुत्र विनोद शर्मा, निवासी 15 जेड, थाना मटीली राठान, श्रीगंगानगर कई प्रकरणों में वांछित था। विदेश में अपने ठिकानों की जानकारी जुटाने के बाद ए.जी.टी.एफ. ने सी.बी.आई. इन्टरपोल के माध्यम से अमेरिकी एजेंसियों को रेड कार्नर नोटिस और अन्य आवश्यक दस्तावेज भेजे। अमेरिकी एजेंसियों ने अमित शर्मा को डिटेन किया और कानूनी प्रक्रिया शुरू की। भारत में प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जारी है।

विशेष रणनीति और कार्रवाई:

ए.जी.टी.एफ. ने लॉरेन्स विश्नोई-गोल्डी बरार-रोहित गोदारा गैंग के कई सदस्यों का विदेशी नेटवर्क चिन्हित किया। इनके विदेशी ठिकानों और स्थानीय सहयोगियों की सूची तैयार की गई है। अब देश-विदेश में जो व्यक्ति गैंग को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहायता करेगा, उसके खिलाफ बी.एन.एस. धारा 111 के तहत कार्रवाई की जाएगी। श्री सिद्धान्त शर्मा (अति. पुलिस अधीक्षक), श्री नरोतम वर्मा (अति. पुलिस अधीक्षक), श्री रविन्द्र प्रताप (पुलिस निरीक्षक), श्री सुनील जांगिड़ (पुलिस निरीक्षक), श्री मनीष शर्मा (पुलिस निरीक्षक), श्री कमलपुरी (पुलिस निरीक्षक), श्री रमेश कुमार (हेड कानि. 187), श्री सुभाषचन्द (कानि. 800), श्री सुरेन्द्र कुमार (कानि. 68)।

रेल मंत्री 100 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण: 16 अक्टूबर को जयपुर में होगा कार्यक्रम, 65 स्टेशनों को मिलेगी नई दिशा



24 न्यूज अपडेट

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 16 अक्टूबर को जयपुर दौरे पर आएंगे। इस दौरान रेल मंत्री उत्तर पश्चिम रेलवे के चारों मंडलों- जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बीकानेर के 65 स्टेशनों पर हुए विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। लगभग 100 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से हुए विकास कार्यों से यात्रियों को लाभ मिलेगा।

खास बात यह है कि ये सभी छोटे स्टेशन हैं, जिन्हें अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन यात्रियों की जरूरत को देखते हुए यहां सुधार और विकास कार्य किए गए हैं।

रेल मंत्री अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान खातीपुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर-असारवा ट्रेन में एक नई सुविधा की भी शुरुआत करेंगे। इसमें अब एसी कोच के यात्रियों को मिलने वाला बेडरोल पैक कवर में दिया जाएगा। यह उत्तर पश्चिम रेलवे देश का पहला जोन बनेगा, जहां इस सुविधा की शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर की जा रही है।

पहले इसे एक ट्रेन में लागू किया जाएगा और बाद में अन्य ट्रेनों और जोनों में विस्तार किया जाएगा। इससे गंदे या बिना धुले बेडरोल मिलने की शिकायतों पर रोक लगेगी।

100 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण

रेल मंत्री वैष्णव अपने दौरे में 65 स्टेशनों पर नई यात्री सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें प्लेटफॉर्म सुधार, शेड, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल सुविधा और डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड जैसी कई यात्रियों से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। इन कार्यों में जयपुर मंडल के 11, जोधपुर मंडल के 20, अजमेर मंडल के 3 और बीकानेर मंडल के 31 स्टेशन शामिल हैं।

बीकानेर मंडल के स्टेशन

पीलीबंगा, सीवानी, श्रीडूंगरगढ़, नोहर, नपासर, श्रीकरणपुर, संगरिया, लूणकनसर, सादुलशहर, झारली, नथवाना, बिग्गा, बनिसर, केसरसिंहपुर, गजसिंहपुर, सुधरना, सरूपसर, भगवानसर, पृथ्वीराजपुर, संगत, जामसर, झाखोद खेड़ा और सुचान कोटली।

जयपुर मंडल के स्टेशन

खातीपुरा, चिड़ावा, ढेहर के बालाजी, चौमूं सामोद, श्रीमाधोपुर, भैंसलाना और चाकसू।

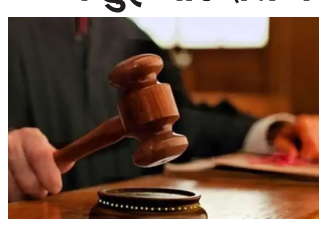
जोधपुर मंडल के स्टेशन

सांदरी, नावां सिटी, मोड़ान, मोकलसर, रानीवाड़ा, लूणी, धनेरा, कुचामन सिटी, भगत की कोठी, कलानौर कलां, डूंडारा, गूधा, गोविंदी मारवाड़, भीमारलाई, परलू, कावास, जसाई, बनिया सांडा धोरा, मारवाड़ चपरी, बदवासी, श्री बालाजी, सालावास, हरलाया, शैतान सिंह नगर, मारवाड़ बिथरी, तालछापर, गगारिया, पिपर सिटी, रामसर, बड़ी खाटू, छोटी खाटू और उदरामसर।

अजमेर मंडल के स्टेशन

करजोदा, मकरैरा और पिपलाज।

बेटी से रेप करने-वाले पिता को 20 साल की जेल: FSL रिपोर्ट में हुई वारदात की पुष्टि, मां ने दर्ज करवाया था मुकदमा



24 न्यूज अपडेट

अजमेर की पॉक्सो कोर्ट-2 ने 15 साल की बेटी से रेप के दोषी पिता को 20 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी पिता पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। एफएसएल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि होने पर कोर्ट की ओर से फैसला सुनाया गया।

विशिष्ट लोक अभियोजक संजय तिवारी ने बताया कि 13 सितंबर 2024 को गांधीनगर थाने में पीड़िता की मां की ओर से मामला दर्ज करवाया गया। मां ने पुलिस को बताया कि 6 महीने से उसके ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते हैं। मेरे पति द्वारा पिता होने के बावजूद बड़ी बेटी के साथ रेप किया। पति के द्वारा पांच बच्चों को प्रताड़ित किया जा रहा था। पीड़िता की मां की शिकायत पर गांधीनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की थी। जांच के बाद आरोपी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

विशिष्ट लोक अभियोजक संजय तिवारी ने बताया कि पुलिस की ओर से कोर्ट में चालान पेश किया गया। चालान पेश करने के बाद ट्रायल चलती गई। मंगलवार को मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से 17 गवाह और 23 दस्तावेज पेश किए गए।

बेटी और पिता के एफएसल रिपोर्ट में पुष्टि होने पर न्यायाधीश अलका शर्मा ने आरोपी पिता को 20 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी पर 50000 का जुर्माना भी लगाया है। न्यायाधीश ने यह भी आदेश दिया कि अगर जुर्माना नहीं देने पर आरोपी पिता को 2 साल की और सजा देने के भी आदेश दिए।

सांख्यिकी अधिकारी के 113 पदों पर होगी भर्ती: RPSC ने निकाली वैकेंसी, 28 अक्टूबर से कर सकेंगे कैंडिडेट्स आवेदन



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मंगलवार को सांख्यिकी विभाग में सांख्यिकी अधिकारी के 113 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि उक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 28 अक्टूबर से 26 नवंबर 2025 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए करें क्लिक

ऐसे करें अप्लाई

अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट HTTPS://RPSC.RAJASTHAN.GOV.IN पर क्लिक करना होगा या SSO पोर्टल HTTPS://SSO.RAJASTHAN.GOV.IN से लॉगिन करना होगा।

इसके बाद सिटिजन ऐप (G2C) में अवेलेबल रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना होगा।

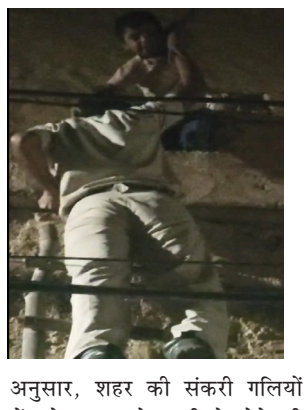
पहली बार OTR करने के लिए अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, लिंग, सेकेंडरी/समकक्ष परीक्षा और आधार कार्ड/पैन कार्ड/वोटर कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस में से किसी एक आईडी प्रूफ का डिटेल और डॉक्यूमेंट अपलोड करना अनिवार्य है।

लॉगिन कर सिटिजन ऐप (G2C) में उपलब्ध रिक्रूटमेंट का चयन कर अपने OTR नंबर के आधार पर ऑनलाइन आवेदन करें।

वन टाइम रजिस्ट्रेशन करने के बाद OTR प्रोफाइल में किसी भी प्रकार का संशोधन किया जाना संभव नहीं होगा।

25 फीट ऊँचे बंद मकान में फंसी 4 साल की मासूम को पुलिस ने जान पर खेलकर बचाया

24 न्यूज अपडेट



जयपुर, 14 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस ने सोमवार रात एक बार फिर सेवा, संवेदना और समर्पण की मिसाल कायम की। अलवर शहर में 25 फीट ऊँचे बंद मकान की पहली मंजिल पर फंसी 4 वर्षीय मासूम निधि राठौड़ को पुलिस टीम ने जोखिम भरे ऑपरेशन में सुरक्षित बचा लिया। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने इस त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यह "राजस्थान पुलिस की सेवा और संवेदना का जीवंत उदाहरण" है। अलवर एसपी सुधीर चौधरी के अनुसार, शहर की संकरी गलियों में बने मकान से बच्ची के रोने की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। थानाधिकारी विजयपाल सिंह के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुँची तो पता चला कि मकान अंधेरे में बंद था और बच्ची अंदर अकेली डरी हुई थी। पुलिसकर्मी कांस्टेबल हजारीलाल (बेल्ट नं. 1594) ने बिना देर किए 30 फीट ऊँची सीढ़ी पर चढ़कर बिजली के नंगे तारों के बीच से गुजरते हुए झरोखे तक पहुँचे। उन्होंने बच्ची को समझाया, शांत किया और धीरे-धीरे सुरक्षित नीचे उतारा। करीब 25 मिनट तक चले इस साहसिक ऑपरेशन के बाद बच्ची को उसकी माँ निशा देवी के सुपुर्द किया गया। डीजीपी शर्मा ने कहा, "राजस्थान पुलिस सिर्फ कानून की रक्षक नहीं, बल्कि समाज की सच्ची संरक्षक है।"

खास विश्लेषण : पॉलिटिकल हाशिये पर जाते कटारिया: सीख हम लेकर युगों से नए युग का करें स्वागत!!



24 न्यूज अपडेट

क्या पंजाब के राज्यपाल, चंडीगढ़ के प्रशासक और उदयपुर में जन-जन के चहते नेता गुलाबचंद कटारिया अब पॉलिटिकल हाशिये पर धकेले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्या आरएसएस के शताब्दी वर्ष में संघ के कर्मठ रहे कटारिया अब महामहिम के पद पर रहते हुए अपनी पॉलिटिकल सत्ता और उसकी विरासत की जमीन को बचाने के लिए पुरजोर संघर्ष करते हुए नजर आ रहे हैं। क्या उदयपुर में भाजपा की राजनीति अब क्लियर कट बाइपोलर हो गई है जिसमें कटारिया वाला छोर अब धीरे-धीरे अपना पॉलिटिकल आकर्षण खोता जा रहा है। ज्वालामुखी जो अब तक अंदर धधक रहा था, उसके मुख से लावा बहने से पहले की स्थितियां तो कहीं पैदा नहीं हो गई हैं? कहीं अंदरखाने पॉलिटिकल लॉयल्टी की शिफ्टिंग तो शुरू नहीं हो गई है? जो अब तक एक जहाज में सवार थे, कहीं वे धीरे धीरे दो नावों या रेस्क्यू बोट की शरण में तो नहीं जाने लग गए हैं? संघ के शताब्दी वर्ष में वरिष्ठ स्वयंसेवक अंदरखाने बेरूखी तो नहीं हो रही है। पंडित दीनदयालजी और सुंदरसिंह भण्डारी के आदर्शों की बात करते करते अपने खास प्रभाव क्षेत्र और उसके आगे शहर के मुद्दों पर मनमानी के हद वाले आलम अब कहीं भारी तो नहीं पड़ने लगे हैं।

वाल्तेयर की बात से शुरूआत करते हैं कि हो सकता है, आप हमारे विचारों से सहमत नहीं हों, मगर मैं विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा जरूर करूंगा।

राज्यपाल बनाते ही शुरू हो गया खेल

उदयपुर में कल महामहिम के जन्मदिन पर उदयपुर में भारतीय जनता पार्टी के संगठन और कार्यकर्ताओं की ओर से कई संकेत दिए गए जिनको हम यहां डी-कोड करने का प्रयास करेंगे। जिन संकेतों से ही शायद आगे की राजनीति की दशा और दिशा तय होती दिखाई दे रही है। यह किसी को किसी खास कालखंड में विरोधी विमर्श भी लग सकता है मगर विश्लेषण में सत्य लिखने के अधिकारों की रक्षा यहां करने का प्रयास हो रहा है। जिन महामहिम को उदयपुर सीएम के रूप में देखना चाह रहा था। जो जन जन के लाडले थे, आखिर उनकी पार्टी के उपरी स्तर पर उपयोगिता सिर्फ महामहिम पर ही सिमट पर क्यों रहे गई? बात का सिरा भाई साहब के असम का राज्यपाल बनाए जाने से खोलते हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी से असम जैसे हमारे लिए सुदूर राज्य के राज्यपाल की जिम्मेदारी ने सबसे पहले उस खेमे को चौंकाया था जो वसुंधरा राजे से नाराज हाई कमान वाले उस सघन कालखंड में भाई साहब को चुनाव के बाद सीएम की कुर्सी पर विराजे हुए देखने का सुबह का लगभग सच होने जा रहा ख्वाब देख चुका था। यहां से जो संकेत निकले वो स्थानीय दखल से दूर रहने और अपनी खास तरह की पॉलिटिक्स से उपवास करने वाले संकेत थे। लेकिन भाई साहब की राजनीति का अपना ठस्सा और स्टाइल का जलवा पंजाब के रास्ते भी जारी रहा।

आलाकमान ने खींची मर्यादा की लक्ष्मण रेखा

विधानसभा चुनावों में पार्टी ने फिर जब ताराचंद जैन के नोमिनेशन के रूप में भाई साहब को कॉम्प्लीमेंट्री तोहफा दिया तब भी भाजपा के धड़ों को लगा कि प्रभाव क्षेत्र ना सिर्फ बरकरार है मगर फैसलों से रिफ्लेक्ट भी हो रहा है। लेकिन लोकसभा के चुनाव आते आते पार्टी आला कमान ने फिर संकेत दिया कि अब भाई साहब की दखल की लकीर को लगातार छोटा करना है। मन्नालाल रावत के रूप में नाम सामने आना भाई साहब और उनके पूरे खेमे के लिए बड़ा झटका था। इस नाम पर सहमति नहीं थी मगर उपर से खींची हुई मर्यादा की लक्ष्मण रेखा को पार पाना असंभव सा हो गया। लगातार स्पष्ट होते जा रहे संकेतों के बावजूद पार्टी में निचले स्तर पर एक बहुत बड़ा ढांचा जो लार्जर देन लाइफ वाली छवि तले अपना राजनीतिक और इको-पॉलिटिकल वजूद तलाश रहा था, उसने अपना मोमेंटम नहीं खोया। उस तबके को लगा कि शायद कहीं पासा पलटने वाला कोई ना कोई मोमेंट उनका अपना चहेता नेता तलाश ही लेगा। इस संकेत को डी कोड ना कर पाने के साइड इफेक्ट तब सामने आए जब जिलाध्यक्ष का नाम अचानक प्रदेश भाजप से तय होकर आ गया। गजपालसिंह का नाम आना घड़ों पानी पड़ने जैसा था। लेकिन भाजपा की यही खूबसूरती है कि संगठन सर्वोपरी होता है, व्यक्ति नहीं। और इसमें असंतोष व असमतियों के स्वर इतने मंदे, धीमे होते हैं कि कई बार तो बातें लबों पर आते-आते ही रह जाया करती हैं। शहर भाजपा का गजपाल मोमेंट वो डिसाइसिव मोमेंट था जब पार्टी के कर्णधारों ने स्पष्ट संकेत दे दिया कि अब उदयपुर की राजनीति में भाई साहब का कोई निर्णायक स्थान नहीं रहा है। और जैसा कि राजनीति का दस्तूर है कि जब भी पावर ट्रांसफर होता है तो कई लोग खेमा बदलते हैं, कई कोप भाजन के शिकार होते है, कई को अज्ञातवास में जाना पड़ता है तो कई गेहूं में घुन की तरह से पिस जाया करते हैं। क्या हम अभी इनमें से पावर ट्रांसफर की किसी प्रक्रिया को उदयपुर भाजपा में होते हुए देख रहे हैं? शायद हां। और उसके लिए किसी दिव्य दृष्टि या पॉलिटिकल एनालिसिस की आवश्यकता नहीं है। एक और सत्ता का सिद्धांत है कि जो खेमा किसी नेता की छांव में बरसों तक सत्ता सुख पाता है वो ब्याज के रूप में अपनी लॉयल्टी भी उस समय तक चुकाता है जब कि उसको पूर्ण भरोसा ना हो जाए कि अब खेमा बदलने में ही राजनीतिक समझदारी है। अब आते हैं महामहिम के कल हुए जन्मदिन के कार्यक्रमों पर। जिस धड़े को उपरी हाथ वालों ने कमल की राजनीतिक कमान थमा कर आगे का रोडमैप सौंपा है वो पूरा का पूरा धड़ा स्पष्ट राजनीतिक संकेत दे गया कि भाजपा की आला लीडरशिप नई बागडौर के साथ उदयपुर की राजनीति की कमान कटारिया गुट से इतर किसी को देने का मन बना चुकी है। या कुछ राजनीतिक पंडित तो कह रही है कि डोर हाथों में थमा चुकी है। ऐसे में बेचैनी होना लाजमी है। मंझे हुए उदयपुर की राजनीत के शिखर पुरूषों में से एक कटारियाजी ने कल अलग-अलग वक्तव्यों से यह संकेत भी दे दिया। उन्होंने कहा कि- "यदि कोई भी मानसिक दृष्टि से तनाव में है तो चंडीगढ़ आ जाइए... मैं आपको ठीक कर दूंगा।" "अगर किसी का नाम आयोजन लिस्ट में नहीं है तो वह बताता तो नाम जुड़वा देते।"

"हमारे मन में कोई कमजोरी नहीं है।"

ये स्टेटमेंट जब बिटविन द लाइंस पढ़े जाते हैं तब इनके निहितार्थ यही सामने आते हैं कि कटारिया खेमे में जबर्दस्त हलचल, बेचैन और घबराहट है। जन्मदिन पर शक्ति प्रदर्शन भी इसी का एक हिस्सा कहा जा रहा है। राजनीति में कहा भी जाता है कि जब आंतरिक अशांति बढ़ती है तो चुभने वाली या दार्शनिक बातें श्रीमुख से निकलती हैं। बाढ़ प्रभावित राज्य का राज्यपाल अगर चाहे तो जन्मदिन नहीं मनाकर अपने त्याग की मिसाल पेश कर सकता है मगर यहां हुआ उल्टा। महामहिम ने कहा कि मुझे अपनों के बीच जन्मदिन मनाना अच्छा लगता है। तो क्या, अपनों के बीच इसलिए आना पड़ा कि ताकि जश्न के बहाने खास लॉबी को संकेत दिया जा सके कि सब कुछ चंगा है, जमीन खिसकने के बावजूद उसे हासिल करने व मनचाहे लोगों को सत्ता हस्तांतरित करने के महाप्रयास अभी जारी हैं??

अब सक्रिय राजनीति में वापसी मुश्किल

यह कड़वा सच है जो जनता तक महसूस कर रही है कि पार्टी की ओर से निरंतर कटारियाजी को अहसास करवाया जा रहा है कि अब राजनीति में उनकी पहले जैसी धारदार वापसी असंभव है। पर इससे इतर जो खेरख्वाह हैं वे स्वयं की प्रासंगिकता के लिए भाई साहब की प्रासंगिकता को बनाए रखने का हरचंद प्रयास कर रहे हैं। वे बार बार संकेत देना चाहते हैं कि भाई साहब ही उदयपुर की सक्रिय भाजपा राजनीत के वन एंड ओनली चेहरे हैं। राजनीतिक सर्कल में कहा जाने लगा है कि उदयपुर के यातायात व्यवस्था की बदहाली, आयड़ नदी की बदहाली, जमीनों की बंदरबांट वाले तंत्र आदि के लिए आखिर कोई तो जिम्मेदार जरूर है? जब इतिहास लिखा जाएगा तब किसका नाम लिखा जाएगा?? अब फिर से अतीत में आते हैं, किरण माहेश्वरी के जमाने में जब भैरोंसिंह शेखावत कटारिया को नापसंद करते थे। तब किस तरह से धड़ेबंदी हुई थी और कटारियाजी ने बड़ी ही सफाई के साथ किरण महोश्वरी को राजसमंद जानकर वजूद बनाने पर मजबूर किया था, यह बहुत बड़ा प्रसंग है। इस पॉलिटिकल देस निकाले में किरण गुट के लोग पिस गए जिनमें से कइयों की आज तक संगठन में तो हो गई मगर मलाई वाले पदों पर मुख्य धारा वाली वापसी नहीं हो पाई। कुछ माफी मांगकर वापस आ गए थे मगर उनकी माफी भी आज तक अंडर ट्रायल ही है। जो लोग क्लियर कट आइडेंटिफाइड हो गए, वे वनवासी हो गए। कटारियाजी ने कल अपनी एक स्पीच में कहा था कि पुराने लोग जाते हैं, नए को जिम्मेदारियां मिलती हैं, यह पार्टी में चलता रहता है। लेकिन क्या सीख हम लेकर युगों से नए युग का करें स्वागत वाली कोई बात उदयपुर में हो रही है?? ऐसा दिखाई तो नहीं दे रहा।

जब अपनों के खिलाफ चुनाव लड़े थे अपने

अब आते हैं दिनेश भट्ट के जिलाध्यक्ष बनने वाले प्रसंग पर क्योंकि यहां से भी कटारिया की राजनीत की झलक मिलती है। आरएसएस के बेकअप से उदयपुर जिलाध्यक्ष बने भट्ट को कभी महामहिम का आशीर्वाद न मिल सका। विरोध में पूरा पैनल चुनाव लड़ा था और हारा था महिला समृद्धि बैंक का, किसके नेतृत्व में??? किसके कहने पर?? तब कटारिया सक्रिय राजनीति में थे और पहली बार उनकी इच्छा का हरण हुआ था। दूसरी बार गजपालसिंह राठौड़ को जिलाध्यक्ष बनाने पर हुआ है। दिनेश भट्ट के कालखंड में संगठन ऐसे दो फाड़ हुआ था कि संगठन के कार्यक्रम में ही लोग नहीं आते थे, उनको रोका जाता था। अब भी यही तो नहीं हो रहा है कहीं?? कहा जा रहा है कि गजपालसिंह के कार्यक्रम में कुछ चेहरे नहीं दिखाई दे रहे हैं। शहर भाजपा का कोई कार्यक्रम महामहिम के जन्मदिन पर नहीं होना साफ संकेत है कि आने वाले दिनों में जब निकाय चुनावों का बिगुज बजेगा। पार्षद बनने के लिए आंतरिक रूप से घमासान होगा, तब भी भाई साहब और उनकी गुडबुक में आने वालों के हाथ कुछ खास नहीं आने वाला है। यहां तक कि अब प्रभाव भाई साहब के खासमखासों पर भी आना तय दिखाई दे रहा है। निकाय चुनाव एक और मौका होंगे जब उदयपुर भाजपा के कटारिया युग की अंतिम छवि निर्णायक रूप से सामने आ जाएगी। लेकिन यहां से पार्टी में एक ऐसे विचनल का दौर भी शुरू हो रहा है जो कई लोगों को खटक रहा है। मसलन उम्रदराज कार्यकर्ता-पदाधिकारी किसी भविष्य के लाभ के लिए अपनों से छोटों की चरण वंदना करते नजर आ रहे हैं। पार्टी के नए संभावित कलेवर में बहुत ज्यादा केंद्रीयकरण दिखाई दे रहा है। ओल्ड गार्ड को हाशिये पर धकेले जाने का डर सता रहा है। नए जोश में होंश की कमी दिखाई दे रही है। कुल मिलाकर यह संधिकाल भाजपा के लिए ही नहीं, शहर कांग्रेस के लिए भी काफी दिलचस्प होने वाला है। उसके लिए यहां पर मौका है लाइफटाइम अचीवमेंट जैसे किसी खिताब के हासिल कर लेने का। मगर उसके लिए वो भी तैयार नहीं दिखाई दे रही है।

कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने आज संभाला एमएलएसयू का प्रभार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कोटा ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. बी.एल. वर्मा को महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का अतिरिक्त वीसी चार्ज सौंपा गया है। उन्होने आज शाम 7:35 मिनट पर सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर में किया कार्यभार ग्रहण किया । उदयपुर कृषि विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक का कार्यकाल 15 अक्टूबर को समाप्त हो गया है। विश्वविद्यालय में नियमित कुलगुरु के चयन तक प्रो. वर्मा को कामचलाऊ व्यवस्था के लिए वीसी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार, एमडीएस यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल को जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी, जोधपुर का भी अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी में पिछले आठ महीनों से पूर्णकालिक वीसी की नियुक्ति नहीं हुई है। इसके पूर्व के वीसी डॉ. कन्हैयालाल श्रीवास्तव को 10 फरवरी को पद से हटाया गया था। इस समय दोनों विश्वविद्यालयों में अतिरिक्त चार्ज के माध्यम से प्रशासनिक कार्य संचालन और निर्णय लेने की जिम्मेदारी प्रो. वर्मा और प्रो. अग्रवाल को दी गई है। प्रो. बी.एल. वर्मा अब MPUAT के साथ-साथ कोटा ओपन यूनिवर्सिटी की जिम्मेदारियां भी निभाएंगे, जबकि प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल जोधपुर में जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी की कार्यवाहियों के साथ एमडीएस यूनिवर्सिटी के कामकाज को भी संभालेंगे।

अफीम परिवहन करते एक गिरफ्तार, 284 ग्राम अफीम व 5 किलो खसखस जब्त



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। पुलिस ने ऑपरेशन स्वच्छता के तहत् अवैध मादक पदार्थ अफीम परिवहन करते एक जने को गिरफतार कर 284 ग्राम अफीम व 5 किलो खसखस जब्त की। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,पुलिस उपअधीक्षक के सुपरविजन में थाना प्रभारी मदनलाल खटीक के नेतृत्व में गठीत टीम एसआई सोमेश्वर,हैड कानि. प्रकाशचन्द्र,कानि.भुपेन्द्रसंह, देवीसिंह,राजेन्द्रसिंह,दिलवर सिंह,चन्द्रपाल सिंह जाब्ता ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्यवाही करते हुए पुरीया 45 पुत्र लालिया उर्फ लालजी रावत मीणा निवासी भरकुण्डी सुरात फला थाना पारसोला के कब्जे से 284 ग्राम अफीम व पांच किलो खसखस परिवहन करते पकडा तथा अफीम व खसखस जब्त की तथा पुरीया रावत को गिरफतार किया।

जैन समाज का राष्ट्र विकास में अहम योगदान : कटारिया

सकल जैन समाज ने किया पंजाब के राज्यपाल कटारिया का सम्मान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सकल जैन समाज उदयपुर की ओर से मंगलवार को सुखेर स्थित वृज सभागार में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया का 82वां जन्मदिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न संगठनों व संस्थाओं ने उनका मेवाड़ी पगड़ी, 11 किलो फूलों की माला, उपरणा और स्मृति चिन्ह भेंट कर विशेष सम्मान किया। सकल जैन समाज अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने कहा कि जैन समाज के गौरव गुलाबचंद कटारिया ने अपने जीवन को आदर्श और सुचिता के साथ जिया है। उन्होंने समाज के अतीत और वर्तमान दोनों को गर्वित किया है। फत्तावत ने आग्रह किया कि समाज और राष्ट्र के विकास में आगे की दिशा के लिए वे मार्गदर्शन दें। उद्बोधन में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में जैन समाज का योगदान सदैव अग्रणी रहा है। समाज के लोग सकारात्मक सोच और सेवा भाव से देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के सौ श्रेष्ठ लोगों का समूह बनाकर नियमित संवाद का क्रम प्रारंभ करना चाहिए, ताकि सामाजिक और राष्ट्रीय विकास के लिए सुविचार और योजनाएं सामने आएं। उन्होंने कहा, "मुझे सदैव समाज का स्नेह व सहयोग मिला है। मैं प्रयास करूंगा कि अपने जीवनकाल में ऐसा कोई कार्य न करूं, जिससे समाज को नीचा देखना पड़े।" अभिनंदन करने वालों में शहर विधायक ताराचंद जैन, दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत, महावीर जैन परिषद कोषाध्यक्ष कुलदीप नाहर, महेन्द्र टाया, ओसवाल सभा पूर्व अध्यक्ष दिलीप सुराणा, जीतो चेयरमैन यशवंत आंचलिया, आरएम डीपीएस संस्थापक गजेन्द्र भंसाली, वासुपूज्य ट्रस्ट अध्यक्ष राज लोढ़ा, यूसीसीआई अध्यक्ष मनीष गलूंडिया, मार्बल एसोसिएशन के पंकज गांगावत, प्रोसेसर्स अध्यक्ष कपिल सुराणा, महावीर युवा मंच अध्यक्ष अशोक कोठारी, बीजेएस अध्यक्ष दीपक सिंघवी, जेजेसी अध्यक्ष अरूण मेहता, जागृति परिषद अध्यक्ष हिम्मत बया, पोरवाल समाज अध्यक्ष अजय पोरवाल, जेएसजी मेवाड़ रीजन चेयरमैन अरूण माण्डोत, महावीर युवा मंच पूर्व अध्यक्ष श्याम नागौरी, महेन्द्र तलेसरा, चन्द्रप्रकाश चोरडिया, लोकेश कोठारी, बड़ी सादड़ी मित्र मंडल से अरविंद जारोली, महिला समृद्धि बैंक की किरण जैन, नितुल चण्डालिया, शैलेन्द्र लोढ़ा, आरसी मेहता, सुरेश पद्मावत, राजीव सुराणा, अतुल चण्डालिया, अभिषेक संचेती, भूपेन्द्र गजावत, नितिन लोढ़ा, जितेन्द्र सिसोदिया, ललित कोठारी, यशवंत कोठारी, वीरेन्द्र महात्मा, दिव्यद दोषी, विनय कोठारी, हितेश पोरवाल, जितेन्द्र मारू, दीपक बोल्या, लक्ष्मण शाह सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्वागत महावीर जैन परिषद के कोषाध्यक्ष कुलदीप नाहर ने किया तथा आभार प्रदर्शन दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत ने ज्ञापित किया। संचालन महेन्द्र तलेसरा ने किया।

श्री महावीर युवा मंच की महामंत्री विजयलक्ष्मी गलूंडिया, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष ऋतु मारू, जीतो लेडिज विंग अध्यक्षा अंजली सुराणा, बीजेएस लेडिज विंग अध्यक्ष मीना कावड़िया, जेजेसी लेडिज विंग से रचिता मोगरा, नीतू गजावत, आशा कोठारी, सोनिया कंठालिया, कल्पना बापना, सोनल कंठालिया, मोनिका बोहरा, शिखा बण्डी, पिंकी चित्तौड़ा, गरिमा कोठारी, अंशु बोल्या आदि ने भी राज्यपाल कटारिया का उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के दो लाभार्थियो के साथ एक संवाद कार्यक्रम किया आयोजित



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर पालिका में परियोजना निदेशक रूडसीको जयपुर से प्रदीप गर्ग ने प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के लाभार्थियों के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में लाभार्थियों को योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई साथ ही अधिशासी अधिकारी मोहम्मद सुहैल शेख ने पात्र हितग्राहियों को चेक वितरित कर उनके उत्साह को बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान परियोजना निदेशक प्रदीप गर्ग ने लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी, जिससे उन्हें अपने आवास के निर्माण और उससे जुड़े वित्तीय लाभों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि यह योजना शहरी गरीबों और मध्यम वर्ग के परिवारों को किफायती दरों पर आवास उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई है। लाभार्थियों का हौसला बढ़ाया गया सागवाड़ा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शेख ने योग्य लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक प्रदान किए और कहा कि यह वित्तीय सहायता लाभार्थियों को अपने सपनों का घर बनाने में मदद करेगी और उनके जीवन स्तर में सुधार लाएगी। योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के प्रभावी कार्यान्वयन और लाभार्थियों तक सीधे लाभ पहुँचाने के सरकार के प्रयासों का एक हिस्सा है। इस पहल का उद्देश्य सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार घर से वंचित न रहे। इस अवसर पर शिविर प्रभारी जितेंद्र शर्मा, रोशन व्यास, सौम्य व्यास, हित सोमपुरा सहित पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।